हिंदी

Resource Team

1. **Santhosh Kumar C.R.**
   GVHSS Kuniya
2. **Nirmala K.**
   TIHSS Naimarmoola
3. **Ashokan P.V.**
   GVHSS Trikaripur
4. **Jossy S.**
   GHSS Chemnad

प्यारे बच्चो,

दसवीं कक्षा की नयी पाठ्य पुस्तिका के आधार पर तैयार की गयी यह पाठ्य सामग्री सहर्ष आपको सौंप रहे हैं। पाठ्य पुस्तक में चर्चित लगभग सभी प्रोक्तियों का परिचय दिलाने का परिश्रम यहाँ हुआ है। हर प्रोक्ति केलिए एक-एक नमूना दिया है। साथ ही साथ उत्तर लिखने केलिए दो-चार प्रश्न भी जोड़ दिये हैं। आशा है, आप इससे लाभान्वित हो जाएँ।

शुभ कामनाएँ।

"असफलता एक चुनौती है, इसे स्वीकार करो,
क्या कमी रह गई, देखो और सुधार करो।
जब तक न सफल हो, नींद - चैन को त्यागो तुम,
संघर्ष का मैदान छोड़कर मत भागो तुम ।
कुछ किये बिना ही जय जयकार नहीं होती,
कोशिश करनेवालों की कभी हार नहीं होती।"

- हरिवंशराय बच्चन

विषय सूची

1) आशयग्रहण और अनुवाद
2) आत्मकथा
3) जीवनी
4) डायरी
5) पत्र
6) वार्तालाप
7) कहानी
8) कविता और आस्वादन टिप्पणी
9) रपट
10) संपादकीय
11) विज्ञापन
12) पोस्टर
13) उद्‌घोषणा
14) निबंध
15) भाषा की बात
16) पारिभाषिक शब्द
17) प्रश्न-पत्र व मूल्यांकन सूचक

आशय ग्रहण और अनुवाद

बच्चो,

अनुवाद करते समय इन बातों पर ध्यान दें।

- स्रोत भाषा का आशय समझें।
- लक्ष्य भाषा की शैली में लिखें।

1) यह गद्यांश पढें और प्रश्नों के उत्तर लिखें।

वनस्पति (Plants) का अध्ययन भारत में हज़ारों वर्षें से होता आ रहा है। आयुर्वेद की सभी औषधियाँ वनस्पति से निर्मित हैं । 2500 वर्ष पहले तक्षशिला शिक्षा केन्द्र में एक घटना हुई । मगध देश से एक छात्र वहाँ अध्ययन करने आया । उसका नाम था जीवक । सात वर्ष के बाद अध्ययन पूरा हुआ । परीक्षा का समय आया । गुरुजी ने जीवक से कहा "जीवक, तुम्हें एक वनस्पति खोजकर लाना है । पर याद रहे, वह वनस्पति किसी भी रोग के इलाज में उपयोगी नहीं हो।" जीवक ने बहुत खोजा । परंतु उसे ऐसी कोई वनस्पती नहीं मिली । वापस आकर उसने गुरुजी से यह बात कही । गुरुजी ने उसे परीक्षा में उत्तीर्ण घोषित किया ।

1) यह घटना कहाँ हुई थी?

2) आयुर्वेद की औषधियाँ किससे निर्मित हैं?

3) मातृभाषा में अनुवाद करें।

मगध देश से एक छात्र वहाँ अध्ययन करने आया। उसका नाम था जीवक । सात वर्ष के बाद अध्ययन पूरा हुआ ।

2. यह कहानी पढ़ें और प्रशनों के उत्तर लिखें ।

सरजू नाम का एक लड़का था । वह एक दिन जंगल में नदी के किनारे सूखी लकड़ी काट रहा था । अचानक उसके हाथ से कुल्हाड़ी छूटकर नदी में जा गिरी । बहुत देर तक ढूँढ़ने के बाद भी उसे कुल्हाड़ी नहीं मिली । वह बहुत दुखी हुआ । अचानक नदी में जल देवता दिखाई दिए। उन्होंने सोने की एक कुल्हाड़ी दिखाते हुए पूछा - "क्या यही तुम्हारी कुल्हाड़ी है?" सरजू ने कहा - "नहीं, यह मेरी कुल्हाड़ी नहीं है।" देवता ने चाँदी की एक कुल्हाड़ी दिखाई और पूछा - "क्या यही तुम्हारी कुल्हाड़ी हैं?" "नहीं, यह भी मेरी नहीं हैं" सरजू बोला - "मेरी तो लोहे की कुल्हाड़ी है।" देवता सरजू की ईमानदारी से प्रसन्न हुए । उन्होंने उसे लोहे की कुल्हाड़ी पानी से निकाल दी । फिर पुरस्कार रूप में सोने और चाँदी की कुल्हाड़ियाँ भी सरजू को दे दीं।

1) सरजू क्या कर रहा था ?

2) देवता क्यों प्रसन्न हुए ?

3) मातृभाषा में अनुवाद करें ।

उन्होंने उसे लोहे की कुल्हाड़ी पानी से निकाल दी। फिर पुरस्कार रूप में सोने और चाँदी की कुल्हाड़ियाँ भी सरजू को दे दीं ।

3) मेरा नाम नदी है । मेरा काम लगातार आगे बढ़ते रहना है । मैं रुकना जानती ही नहीं । हाँ, मेरी चाल में अंतर अवश्य आता है । मैं कभी तेज़ गति से दौड़ती हूँ तो कभी धीमी चाल से चलती हूँ । मेरे जीवन की कहानी बड़ी सरस तथा रोचक है। मेरी कहानी सुनकर तुम्हारे मन की कली खिल उठेगी ।

मेरा जन्म पर्वत - प्रदेश में हुआ था। मेरा बचपन हरी - भरी सुखमय घाटियों में बीता । मैं इधर से उधर दौड़ती, कल - कल का संगीत सुनाती हुई वृक्षों के साथ लुका - छिपी खेलती । एक दिन मेरे मन में पर्वत से बाहर निकलने की इच्छा हुई । मैं बाहर की दुनिया देखना चाहती थी। पत्थरों और चट्टानों ने रोका, पर मैं कहाँ रुकनेवाली थी? जो आगे बढ़ने की सोच लेता है, उसे कोई नहीं रोक सकता।

1) नदी का बचपन कहाँ बीता?

2) नदी पर्वत से बाहर निकलना चाहती थी । क्यों?

3) मातृभाषा में अनुवाद करें।

मेरा नाम नदी है। मेरा काम लगातार आगे बढ़ते रहना है। मैं रुकना जानती ही नहीं।

आत्मकथा

बच्चो, गौरा से आप परिचित हैं। याद है न? महादेवीजी के घर की वह गाय जिसकी असामयिक मृत्यु हुई थी ... अब हम गौरा का यह आत्मकथांश पढें -

मेरी कहानी

मैं गैरा। श्यामाजी के घर से मुझे महादेवीजी अपने बंगले ले आई। वहाँ मेरा भव्य स्वागत किया गया। और वहीं मेरा नामकरण भी हुआ, गौरा। वह नाम मुझे बहुत अच्छा लगा। वहाँ मित्रता के लिए अनेक अन्य पशु - पक्षी थे। कुछ ही दिनों में मैं सबसे हिलमिल गई।

एक वर्ष के उपरांत मैं एक सुंदर वत्स की माता बनी। उसका नाम रखा गया लालमणि और सब लोग उसे लालू पुकारने लगे । अब हमारे घर में दुग्ध - महोत्सव आरंभ हुआ । लालमणि के पीने के बाद भी बहुत अधिक दूध शेष रहता था। परिचारक दुग्ध - दोहन करके कुत्ते - बिल्ली सबको देता था। दुध पीने के बाद वे सब मेरे पास आकर अपने-अपने स्वर में कृतज्ञता ज्ञापित करते थे। तब मुझे बेहद खुशी होती थी ।

एक दिन एक अपरिचित व्यक्ति मेरे पास आया। उसके हाथ का बर्तन देखकर मैंने जल्दी समझ लिया, वह दूध दुहने आया है। उसका हाव - भाव और बर्ताव मुझे अच्छा न लगा । एक दिन उसने गुड़ की एक डली मेरे मुँह में डाली । मैंने खुशी से वह डली खायी। दो - तीन दिनों के बाद मेरी तबीयत खराब होने लगी। मैं कुछ खा न सकी। मेरी इस हालत पर महादेवीजी बहुत दुखी थी। उन्होंने डॉक्टरों को बुलाकर मेरा इलाज करवाया। डॉक्टरों ने निर्णय दिया कि मुझे सुई खिला दी गई है। डॉक्टर दवा और इंजेक्शन बार - बार देता रहता है। और मैं .....अंदर और बाहर की यह पीडा चुपचाप सह लेती हूँ ।

- **आत्मकथा लिखते समय हमें किन-किन बातों पर ध्यान देना है?**

  - जीवन के अनुभवों और अनुभूतियों का क्रमिक निरूपण हो।
  - आत्मकथा उत्तम पुरुष (मैं) में लिखी जाए।
  - शीर्षक भी दें ।

- **अब इन प्रश्नों के उत्तर लिखें-**

1) 'नदी और साबुन' कविता के आधार पर नदी की आत्मकथा लिखें ।

सहायक बिंदु:

- स्वच्छ और विशाल नदी
- अब मैली और दुबली
- जानवरों से मलिन न होना।
- कारखानों का तेज़ाबी पेशाब झेलना ।
- साबुन की टिकिया के सामने हार जाना ।

2) बाबुलाल तेली के इस आत्मकथांश को आगे बढाइए ।

मेरा नाम बाबुलाल तेली है । मैं शहर के एक कार्यालय में क्लर्क हूँ । एक दिन सड़क पर एक बलिष्ठ व्यक्ति ने मेरी नाक पर एक ज़ोरदार घूँसा जड़ दिया । नाक से खून बहने लगा । .....

सहायक बिंदु :

- सेठ के अस्पताल से इलाज न मिलना।
- डॉ. लालूराम के अस्पताल जाना
- ऑपरेशन करना।
- तीसरे दिन मवाद पड़ना।
- बंबई ले जाना।
- लौटे तो नाक की जगह दो सुराख।

जीवनी

बच्चो,

यह जीवनी पढें -

प्रेमचंद

प्रेमचंद हिन्दी साहित्य में 'उपन्यास साम्राट' के नाम से मशहूर हैं । उनका जन्म वारणासी के पास लमही नामक स्थान पर 31 जुलाई 1880 को हुआ था । उनके पिता का नाम अजायब राय तथा माता का नाम आनंदी देवी था । प्रेमचंद के बचपन का नाम धनपत राय था । पिता की मृत्यु होने के कारण बचपन में ही घर की जिम्मेदारी उनके कंधों पर आ गई। दसवी पास करते ही वे प्राइमरी स्कूल में शिक्षक बन गये। नौकरी करते हुए उन्होंने बी.ए. की उपाधी प्राप्त की। वे स्कूल इन्स्पेक्टर के पद पर नियुक्त हुए । गाँधीजी के आह्वान से प्रेरित होकर उन्होंने नौकरी छोड़ दी और 1920 के असहयोग आंदोलन में कूद पड़े। इसके बाद वे लेखन कार्य में समर्पित हो गये । गोदान, सेवासदन, प्रेमाश्रम आदि उनके प्रमुख उपन्यास हैं । उन्होंने अनेक कहानियाँ भी लिखी हैं । 8 अक्तूबर 1936 को उनकी मृत्यु हुई ।

- **जीवनी लिखते समय हमें किन - किन बातों पर ध्यान देना है?**

- जीवनी तथ्यपरक और प्रामाणिक हो।
- चरित्र और आदर्श का सही चित्रण हो।
- जीवनी में अन्य पुरुष सर्वनाम का प्रयोग हो।
- शीर्षक हो।

- **अब इन प्रश्नों के उत्तर लिखें ।**

1) सकुबाई के इस आत्मकथांश को जीवनी के रूप में लिखें।

मेरी माँ का नाम लक्ष्मी था । हम गाँव में रहते थे। हम तीन भाई - बहन थे । संतानों में मैं सबसे बड़ी थी । मुबंई में सब बुलाते हैं- सकू। गाँव में मेरे बाबा और उनके चार भाई थे । बाबा बड़े मेहनतकश थे। गरीबी दूर करने केलिए वे खेत में दिन - रात मेहनत करते थे । मेरी माँ भी उनके साथ काम करती। बचपन से ही माँ के साथ काम करने लगी थी - बाउड़ी से पानी लेना, छोटे भाई-बहन को संभालना, आंगन बुहारना आदि मेरी जिम्मेदारी थी ।

मुझे पढ़ने की इच्छा थी। पाठशाला जाने केलिए ज़िद करती थी। उसके लिए माँ से थप्पड़ भी मिला करती ।

हम दोनों - मैं और वासंती - पाठशाला नहीं गई । लडका होने के कारण नितिन को भेज दिया। नितिन को सब कुछ मिल गया । हम लोग बहुत मेहनत करने के बावजुद खाना पूरा नहीं मिलता।

काका लोग और बाबा के बीच अनाज के बँटवारे को लेकर हमेशा झगड़ा होता था।

मेरी दादी के मरने पर मेरी नानी और मामा बंबई से आए। मेरी आई को बंबई में आकर काम करनी पड़ी। मैं ने उसकी मदद की।

2) सूचनाओं के अधार पर रवींनद्रनाथ टैगोर की जीवनी तैयार करें ।

- 7 मई 1861 को कोलकत्ता में जन्म ।
- माँ - बाप - देवेंन्द्र नाथ ठाकूर और शारदा देवी
- गुरुदेव नाम से प्रसिद्ध
- साहित्यकार, चित्रकार, संगीतज्ञ
- 'गीतांजली' को नोबेल परस्कार
- शाँतिनिकेतन की स्थापना
- 7 अगस्त 1941 को शाँतिनिकेतन में मृत्यु

डायरी

बच्चो

जिस दिन गौरा की मृत्यु हुई, उस दिन महादेवी वर्माजी ने अपनी डायरी में क्या लिखा होगा? ज़रा पढें-

08-07-11

शुक्रवार

रात में भी कई बार गौरा को देखने जाती रही । ब्रह्म मुहूर्त में चार बजे मैं गौरा को देखने गयी तो उसने अपना मुख सदा के समान मेरे कंधों पर रखा, वैसे ही वह एकदम पत्थर जैसा भारी हो गयी। वह मेरी बाँह पर से सरककर धरती पर आ गिरा । मेरी एक ही इच्छा थी कि गौरा के अंत के समय उसके पास रह सकूँ । वह इच्छा सफल हुई । जब गौरा का पार्थिव अवशेष गंगा को समर्पित करने ले गये तब सबकी आँखें भर गयीं।

- **डायरी लिखते समय किन - किन बातों पर ध्यान देना हैं?**

  - दिनांक, दिन/स्थान की सूचना हो।
  - खास अनुभव का वर्णन हो।
  - भाषा अत्मनिष्ठ हो।

- **अब इन प्रश्नों के उत्तर लिखें।**

1) शहर के शानदार अस्पताल का बिल देखकर बाबुलाल तेली के होश उड़ गये। जीवन में पहली बार वे इतनी बुरी तरह ठगे गये हैं । अस्पताल के अनुभवों को बाबुलाल तेली अपनी डायरी में लिखे तो वह कैसी होगी ? वह डायरी कल्पना करके लिखें।

2) समाज - सेवा में अपने आपको समर्पित महान प्रतिभा डॉ. वी. शांता के साथ आशा कृष्णकुमार का साक्षात्कार बड़ा प्रेरणादायक था । आशा कृष्णकुमार की उस दिन की डायरी कल्पना करके लिखें।

पत्र

बच्चो

आपने उपन्यास 'दवा' का अंश 'प्रिय डॉक्टर्स' पढा है न? मान लें, मेडिकल कॉलेज के पहले दिन के अनुभवों का वर्णन करते हुए देवदास ने मित्र के नाम पत्र लिखा । वह पत्र कैसा होगा ? ज़रा पढें-

स्थान

तारीख

प्रिय मित्र,

तुम कैसे हो? मैं यहाँ सकुशल हूँ । आशा करता हूँ कि घर में सब सानंद हैं । तुम्हारी पढ़ाई कैसे चल रही है?

आज मेडिकल कॉलेज में मेरा पहला दिन था । मन में ज़रूर कुछ घबराहट थी । हमारे प्रोफेसर डी. कुमार ने हमें 'डॉक्टर्स' कहकर संबोधन किया । तुम कल्पना भी नहीं कर सकोगे कि सिर्फ इस संबोधन ने हमारे आत्मसम्मान को कितना बढ़ाया है!

डिसेक्शन हॉल में आठ छात्रों के एक दल को एक लाश एनॉटमी सीखने दी गयी। मुझे हाथ मिला । पहले एनॉटमी हॉल में और बाद में डिसेक्शन हॉल में प्रोफेसर डी. कुमार ने एक डॉक्टर के दायित्व के संबंध में अनेक महत्वपूर्ण बातें बतायीं । असाधारण व्यक्तित्व है उनका। वास्तव में मैं उनसे बहुत प्रभावित हो गया हूँ । बहुत अधिक लिखने को है, विस्तृत रूप से बाद में लिखूँगा।

माँ - बाप को मेरा प्रणाम।

तुम्हारा मित्र
(हस्ताक्षर)
देवदास

सेवा में

नाम
घर का नाम
डाकघर
स्थान

- **पत्र लिखते समय हमें किन-किन बातों पर ध्यान देना है?**

  - पत्र की रुपरेखा का पालन करें।
  - पत्र की भाषा शैली अपनाएँ।
  - कल्पना का समुचित समावेश करें।

- **अब इन प्रश्नों के उत्तर लिखें।**

1) गौरा की बीमारी के बारे में बताते हुए महादेवी वर्मा ने अपनी बहन श्यामा के नाम पत्र लिखा । नीचे दिये संकेतों की सहायता से वह पत्र तैयार करें।

  - गौरा की तबीयत बिगड़ना
  - दाना-चारा कम करना
  - डॉक्टर का इलाज
  - सुई खिला देने की शंका
  - ग्वाले पर सन्देह

2) मान लें, आप शहर गये थे, वहाँ एक दुर्घटना हुई थी। दुर्घटना में घायल व्यक्ति सड़क पर पड़ा रहता था । लोग चारों ओर खडे देख रहे थे। आपने जल्दी एक गाड़ी बुलाकर उसको अस्पताल पहुँचाया और उसकी जान बचायी । शहर के लोगों की स्वार्थता के बारे में बताते हुए अपने मित्र के नाम पत्र लिखें।

3) बग्गा साहब के यहाँ एक कुतिया विचित्र नस्ल की थी । कुतिया के एक पिल्ले को माँगते हुए मित्र ने बग्गा साहब के नाम पत्र लिखा । वह पत्र कल्पना करके लिखें।

4) "फिर बस आ गई । हम लोग उस बस में ही बैठ गए । मैं खिडकी के पास बैठी देख रही थी ।.... हमारी बस चली गई । बाबा और वासंती बहुत देर तक खड़े हमारी बस को देख रहे थे....." बंबई पहुँचने के बाद सकुबाई ने अपने बाबा के नाम पत्र लिखा । वह पत्र कल्पना करके लिखें।

वार्तालाप

बच्चो,

आपने 'भारतीय संस्कृति में गुरु शिष्य संबंध' नामक पाठ पढ़ा है न ? गामा और फारसी पत्रकार के बीच का यह वार्तालाप भी पढ़ें-

पत्रकार : सुना है, आप संसार - भर के पहलवानों को आपसे कुश्ती लड़ने के लिए चुनौती दी है।

गामा : ठीक है, क्या बात है?

पत्रकार : ऐसा है तो आप क्यों अपने कोई समर्थ शिष्य से नहीं लड़ते?

गामा : आप कैसी बात करते हैं? आप नहीं जानते कि हमारी संस्कृति के अनुसार शिष्य पुत्र से भी बढ़कर है।

पत्रकार : क्या आप शिष्य से कुश्ती लड़ना पसंद नहीं करते ?

गामा : वह कैसे ? शिष्य को पराजित करना नहीं विजयी बनाना ही मेरा काम है।

पत्रकार : भव्य है आपकी परिकल्पना। मैं इससे बिलकुल अपरिचित था ।

गामा : कोई बात नहीं।

- **वार्तालाप तैयार करते समय हम इन बातों पर ध्यान दें**

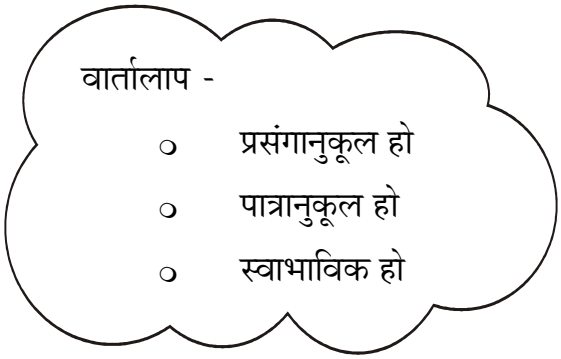

- **अब इन प्रश्नों के उत्तर लिखें**

1) गजाधर बाबू को चीनी - मिल में नौकरी मिली । वे घर से मिल की ओर रवाना हुए । रास्ते में वे गणेश से मिले । दोनों के बीच का वार्तालाप कल्पना करके लिखें।

2) डिसेक्शन हॉल में देवदास और लक्ष्मी के बीच का संभावित वार्तालाप लिखें।

3) सड़क से गुज़रते हाथी बिजली का झटका लग जाने से मर गया। गाँव वालों को गुस्सा उतारने का मौका मिला । दो गाँववालों के बीच का संभावित वार्तालाप तैयार करें ।

कहानी

बच्चो,

कहानी सुनना - सुनाना सब लोग पसंद करते हैं। ध्यान दें तो कहानी लेखन भी आसान निकलेगा । ज़रा हम इसकेलिए परिश्रम करें ।

- **यहाँ एक कहानी की घटनाओं को क्रमरहित रूप में दिय गया है । उन्हें क्रमबद्ध करके कहानी की पूर्ति करें -**
  - सभी सोचते थे कि धनीराम इस वर्ष परीक्षा पास नहीं हो सकता। परंतु वह पास हो गया।
  - उन्होंने धनीराम के गुरुजी को कीमती उपहार देकर खुश करने की योजना बनायी।
  - पास होने की सबसे अधिक खुशी हुई धनीराम के माता - पिता को।
  - गुरुजी ने उनका उपहार स्वीकार नहीं किया।
  - पिताजी को आश्चर्य हुआ। वे सामान उठाकर कक्षा से बाहर आ गए।
  - मिठाई का डिब्बा तथा कीमती दुशाला गुरुजी के सम्मुख रख दिये

धनीराम एक अमीर पिता का बेटा था । .....

.....

.....

- **कहानी मिली ?**

अब हम इस कहानी में पात्रों का संवाद जोड़कर इसका पुनर्लेखन करें ।

सारे बच्चे एक समान

धनीराम एक अमीर पिता का बेटा था। सभी सोचते थे कि धनीराम इस वर्ष परीक्षा पास नहीं हो सकता परंतु वह पास हो गया । पास होने की सबसे अधिक खुशी हुई धनीराम के माता - पिता को। उन्होंने धनीराम के गुरुजी को कीमती उपहार देकर खुश करने की योजना बनाई।

धनीराम के पिताजी अगले दिन कक्षा में पहुँच गए। मिठाई का डिब्बा तथा कीमती दुशाला गुरुजी के सम्मुख रख दिये।

"देखिए महाशय! मैं आपकी भेंट स्वीकार नहीं कर सकता" - गुरुजी बोले।

पिताजी ने आग्रह किया, "गुरुजी, ये भेंट तो हम अपनी इच्छा से लाए हैं। आपको स्वीकार करनी ही पडेगी"

"जी नहीं! यह मेरे सिद्धांत के अनुकूल नहीं हैं।"

"क्यों गुरूजी?"

"देखिए, सभी छात्र मेरेलिए ये कीमती उपहार नहीं खरीद सकते । इसलिए उनके मन में हीनता पैदा होती हैं । शिक्षा किसी भी छात्र को छोटा- बड़ा अनुभव नहीं होने देती । इसलिए आपसे अनुरोध है, इनको वापस ले जाइए ।"

"धन्य है गुरूजी आप और आपकी शिक्षा।" अधिक झुककर धनीराम के पिता सामान उठाकर कक्षा से बाहर आए ।

- **सोचें, एक कहानी की क्या - क्या विशेषताएँ हैं ?**

- आरंभ से अंत तक घटनाओं का क्रमिक विकास हो।
- पात्रों का संवाद, विचार आदि ज़ोड़ा हो
- कल्पना से आकर्षक बनाया हो।
- भाषा रोचक हो
- शीर्षक हो

- **अब इन प्रश्नों के उत्तर लिखें।**

1) कहानी को आगे बढाएँ

गर्मी की छुट्टियाँ शुरु हुईं। आज का दिन, अंशु बड़ी खुशी में है। पिताजी उसे एक हरी पतंग व डोरी बज़ार से लेकर आए हैं। अंशु पतंग लेकर मैदान चला। 'नीले आकाश में यह हरी पतंग चिड़िया - सी उड़ेगी। कितना सुंदर दृश्य होगा!' वह सोच रहा था। वह मैदान पहुँचा। पतंग पर डोरी बाँधी। धीरे - धीरे ऊपर उडाई। पतंग के साथ उसकी खुशी का पंछी भी ऊपर उड़ रहा था। डोरी खींच - खींचकर अंशु पीछे की ओर चलने लगा। चलते-चलते वह पास के तालाब के किनारे तक पहुँच गया। लेकिन उसकी नज़र पतंग के साथ ऊपर थी .....

2) संकेतों के आधार पर कहानी लिखें।

- एक आदमी
- बंदर को पालना
- बंदर को नचाकर पैसा कमाना
- एक दिन पेड़ के नीचे आदमी का सो जाना
- आदमी की नाक पर मक्खी का बैठना
- बंदर द्वारा मक्खी को भगाना
- मक्खी का बार - बार नाक पर बैठना
- बंदर को गुस्सा आना
- पत्थर उठाकर मक्खी को मारना
- अदमी को चोट लगना

कविता और आस्वादन टिप्पणी

बच्चो,

अक्सर हम कविता का आलाप और आस्वादन करते हैं। उसकी आस्वादन टिप्पणी भी तैयार करते हैं । अब हम एक कवितांश और उसकी आस्वादन टिप्पणी पढें ।

आज का मानव

- जगदीशचन्द्र जीत

मानव
मनु की संतान
आज कितना स्वार्थी है
अकेला खाता है
अकेला पीता है
पास में पडोसी
कितने दिन से भूखा - नंग
पड़ा हो
मरा हो
कौन जाने?
परिवार के दो - चार सदस्यों की
उदर - पूर्ति में
समझता है आज का मानव
अपने जीवन का कल्याणमय लक्ष्य।

फिर भी हम मानव हैं

हिन्दी के आधुनिक कवियों में प्रुमुख हैं, श्री जगदीशचंद्र जीत। वे समाजवादी चेतना के कवि हैं। 'आज का मानव' कविता में कवि ने स्वार्थी एवं व्यक्तिवादी आधुनिक मनुष्य की हृदयशून्यता पर प्रकाश डाला है।

भूमंडलीकरण और शहरीकरण के वर्तमान युग में मनुष्य की सामाजिक भावना लुप्त हो रही है। आज का मानव आत्मकेंद्रित हो गया है। अपने घर की चारदीवारी के अंदर उसने स्वयं को बंदी बना दिया है। वह स्वार्थी है। अपने परिवार की सुख-सुविधाओं से बढ़कर उसका कोई लक्ष्य नहीं है। समाज के दीन-दुखियों के प्रति उसमें ज़रा भी हमदर्दी नहीं है। उसकी हृदयशून्यता इन्हीं पंक्तियों में स्पष्ट है -

"पास में पड़ोसी
कितने दिन से भूखा-नंग
पड़ा हो
मरा हो
कौन जाने?"

कवि की भाषा सरल एवं चुस्त है। कवि ने शब्दों का चयन और विन्यास बडी सावधानी से किये हैं।

यह कविता आधुनिक मनुष्य का शब्दचित्र है। कवि ने चंद शब्दों में आत्मकेंद्रित, व्यक्तिवादी आधुनिक मनुष्य की कड़ी आलोचना की है जो अत्यंत मार्मिक बनी है।

- **ज़रा सोचें, आस्वादन टिप्पणी तैयार करते समय किन-किन बातों पर ध्यान देना है?**

  - कवि और कविता का परिचय दें।
  - भाव का विश्लेषण करें।
  - कविता की भाषा, गठन, बिंब/प्रतीक, विशेष शब्दावली आदि का विश्लेषण करें।
  - कविता पर अपना दृष्टिकोण व्यक्त करें।

- **अब ये कविताएँ पढें और प्रश्नों के उत्तर लिखें।**

1) प्यासा कुआँ

- ज्ञानेंद्रपति

प्यास बुझाता रहा था जाने कब से
बरसों से
वह कुआँ
लेकिन प्यास उसने तब जानी थी
जब
यकायक बंद हो गया जल-सतह तक
बाल्टियों का उतरना
बाल्टियाँ - जो अपना लाया आकाश डुबोकर
बदले में उतना जल लेती थीं
प्यास बुझाने को प्यासा
प्रतीक्षा करता रहा था कुआँ महीनों
तब कभी एक

प्लास्टिक की खाली बोतल
आकर गिरी थी
पानी पीकर अन्यमनस्क फेंकी गई एक प्लास्टिक बोतल
अब तक हैण्डपम्प की उसे चिढ़ाती आवाज़ भी नहीं सुन पड़ती
एक गहरा-सा कूड़ादन है वह अब
उसकी प्यास सिसकी की तरह सुनी जा सकती है अब भी
अगर तुम दो पल उस औचक बुढ़ाए कुएँ के पास खडे होओ चुप।

(i) कुआँ बरसों से क्या कर रहा था?
(ii) कुआँ अब क्या बन गया है?
(iii) कविता की आस्वादन टिप्पणी तैयार करें।

2) आम के पत्ते

- रामदर्श मिश्र

वह जवान आदमी
बहुत उत्साह के साथ पार्क में आया
एक पेड़ की बहुत सारी पत्तियाँ तोड़ीं
और जाते हुए मुझसे टकरा गया
पूछा-
अंकल जी, ये आम के पत्ते हैं न
नहीं बेटे, ये आम के पत्ते नहीं हैं
कहाँ मिलेंगे पूजा केलिए चाहिए
इधर तो कहीं नहीं मिलेंगे
हाँ, पास के किसी गाँव में चले जाओ
वह पत्ते फेंककर चला गया
मैं सोचने लगा-
अब हमारी सांस्कृतिक वस्तुएँ

वस्तुएँ न रहकर
जड़ धार्मिक प्रतीक बन गयी हैं
जो हमारे पूजा-पाठ में तो हैं
किंतु हमारी पहचान से गायब हो रही हैं।

i) आम के पत्ते किसका प्रतीक है?
ii) कवि ने क्या सोचा?
iii) कवितांश की आस्वादन टिप्पणी तैयार करें।

3) इतने ऊँचे उठो

- द्वारिका प्रसाद महेश्वरी

इतना ऊँचा उठो कि जितना उठा गगन है।
देखो इस सारी दुनिया को एक दृष्टि से
सिंचित करो धरा, समता की भाव वृष्टि से
जाति भेद की, धर्म-वेश की काले गोरे रंग-द्वेष की
ज्वालाओं से जलते जग में
इतने शीतल बहो कि जितना मलय पवन है।।
नये हाथ से, वर्तमान का रूप सँवारो
नयी तूलिका से चित्रों के रंग उभारो
नये राग को नूतन स्वर दो
भाषा को नूतन अक्षर दो
युग की नयी मूर्ति रचना में
इतने मैलिक बनो कि जितना स्वयं सृजन है।।

i) हमें धरा को किससे सिंचित करना चाहिए?
ii) किन-किन बातों को यहाँ ज्वालाएँ कही गयी हैं?
iii) कवितांश की आस्वादन टिप्पणी तैयार करें।

रपट

बच्चो, यह रपट पढ़ें -

कैंसर बन सकती है महामरी!

नई दिल्ली : कैंसर के मामले बढने से केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की नींद हराम हो गई है। पिछले ही साल कैंसर के 9.8 लाख नए मरीज़ सामने आए थे। वर्ष 2009 के मुकाबले यह संख्या 80000 ज्यादा है। कैंसर को महामारी का रूप लेते देख वैज्ञानिकों ने अब इसे सूचीबद्ध बीमारियों में शामिल करने का सुझाव दिया है। अगर सरकार इस सुझाव को मान लेती है तो पीलिया उन्मूलन की तरह इसकी रोकथाम केलिए बड़े पैमाने पर अभियान चलाना होगा।

हालांकि स्वास्थ्य मंत्रालय इस समय 21 राज्यों के सौ जिलों में कैंसर रोकथाम के लिए कार्यक्रम चला रहा है। लेकिन इसे नाकाफी बनाया जा रहा है। गुवाहटी में पिछले दिनों भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद, कैंसर विशेषज्ञों और स्वास्थ्य मंत्रालय के अधिकारियों के बीच हुई बैठक में कैंसर के बढंते खतरे पर चर्चा की गई।

- **रपट लिखते समय किन-किन बातों पर ध्यान देना है?**

  - शीर्षक हो।
  - स्थान की सूचना हो।
  - संक्षिप्तता और स्पष्टता हो।
  - रपट की भाषा शैली हो।

अब इन प्रश्नों के उत्तर लिखें -

1. डॉ.वी. शांता को मैगसेसे पुरस्कार मिला। यह खबर अगले दिन के समाचार पत्रों में छपकर आयी। वह रपट कल्पना करके लिखें।
2. राँची के तोरपा ब्लॉक में हाथी ने लोगों को तंग किया। समाचार पत्र में आयी इस रपट को कल्पना करके लिखें।

संपादकीय

बच्चो,

यह संपादकीय पढें -

वृद्धों को सहारा दें

वृद्धावस्था मानव-जीवन का क्लेशपूर्ण समय होती है। इस समय मनुष्य कई शारीरिक परेशानियों का शिकार बनता है। तब वह अपने परिवारवालों का सहारा चाहता है, प्यार और सहानुभूतिपूर्ण व्यवहार चाहता है। लेकिन दुर्भाग्य की बात यह है कि हमारे समाज में वृद्धों की हालत बहुत ही शोचनीय हो रही है। वह अपने परिवार में तिरस्कृत हो जाता है। जिस परिवार केलिए अपनी ज़िंदगी-भर काम किया, उस परिवार से अलग रहने केलिए वह विवश किया जाता है। कभी-कभी उसे दूसरों के सामने हाथ पसारना पड़ता है।

विज्ञान और तकनीकी के विकास ने आधुनिक मनुष्य को सुखभोग के अनेक साधन उपलब्ध कराये हैं। मानव-जीवन इन्हीं साधनों को जुटाने का भाग-दौड़ हो गया है। बाज़ारवाद ने इस दौड़-धूप को और भी तेज़ बनाया है। आपसी संबंध, रिश्ते-नाते सब इसी के आधार पर स्वीकर किये जाते हैं कि अपनी सुख-सुविधाओं केलिए वे कहाँ तक सहायक निकलें। इस चिंता के कारण वृद्ध व्यक्ति अपने परिवार केलिए बोझ बन जाता है।

वृद्ध एक परिवार का सबसे अनुभवी व्यक्ति होता है। उसे परिवार के साथ रहने का अवसर ज़रूर मिलना चाहिए। उसे प्यार और सम्मान मिलने का हक है। उसे जीवन के आखिरी दिनों में सुख और शाँति से जीने का मौका मिले। आज जो युवा लोग हैं उन्हें भी वृद्धावस्था से गुज़रना ही पड़ेगा। तब अपने बच्चे भी उनके साथ एसा ही व्यवहार करेंगे जैसा वे अपने माँ-बाप के साथ करते हैं। अतः अपना मन प्यार से भरने दें, प्यार से व्यवहार करें और अपनी संस्कृति व पारिवारिक संबंधों को बनाए रखें।

बच्चो,

संपादकीय तैयार करते समय हम इन्हीं बातों पर ध्यान दें-

- समस्या का विश्लेषण करें।
- समस्या पर अपना दृष्टिकोण व्यक्त करें।
- अपने दृष्टिकोण का समर्थन करें।
- अनुरूप भाषा-शैली अपनाएँ।
- उचित शीर्षक दें।

- अब इन विषयों पर संपादकीय तैयार करें।
  - i) जल प्रदूषण : वर्तमान समय की गंभीर समस्या।
  - ii) शहरीकरण का बढ़ता दायरा।
  - iii) बढ़ती सड़क दुर्घटनाएँ।

विज्ञापन

- बच्चो, ये विज्ञापन पढ़ें-

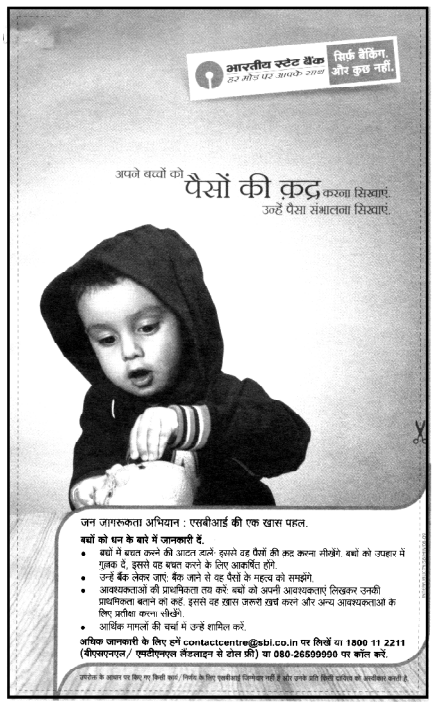

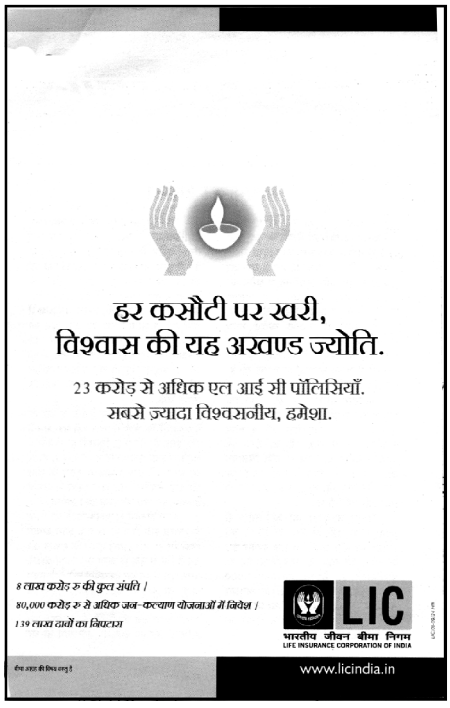

- **विज्ञापन तैयार करते समय हमें इन बातों पर ध्यान देना है -**

  - प्रसंग/समस्या को पहचान लें।
  - आकर्षक विज्ञापन वाक्य लिखें।
  - संक्षिप्त, सरल एवं चुटीली भाषा का प्रयोग करें।
  - मौलिकता पर ध्यान दें।

1. विश्वपर्यावरण दिवस के सिलसिले में वृक्षारोपण का संदेश देते हुए वन विभाग की ओर से निकाला गया विज्ञापन कल्पना करके तैयार करें।
2. धूम्रपान स्वास्थ्य केलिए हानिकारक है। इसकी चेतावनी देते हुए स्वास्थ्य विभाग की ओर से निकाला गया विज्ञापन कल्पना करके तैयार करें।

पोस्टर

बच्चो,

यह पोस्टर पढें।

सरकारी हाई स्कूल कासरगोड़

हिंदी दिवस समारोह

14.9.2011

अंधेर नगरी (प्रहसन)

• शाम को 4 बजे •

• स्कूल सभागृह में •

सबों का हार्दिक स्वागत

हिंदी मंच, सरकारी हाईस्कूल, कासरगोड़

- **पोस्टर तैयार करते समय इन बातों पर ध्यान दें -**

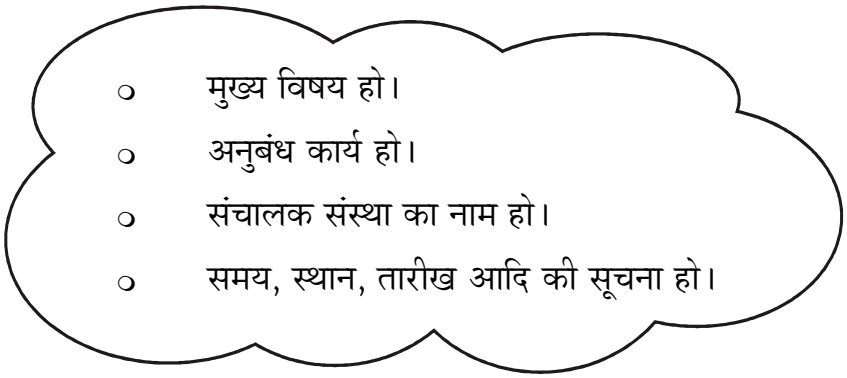

- **अब इस प्रश्न का उत्तर दें।**

1. विश्व-पर्यावरण दिवस के सिलसिले में आपके स्कूल में 'प्रकृति' विषय पर चित्र-रचना प्रतियोगिता चलनेवाली है। उसकेलिए पोस्टर तैयार करें।

उद्‌घोषणा

प्यारे बच्चो, ध्यान दीजिए।

हिंदी दिवस के सिलसिले में 14 सितंबर को हमारे स्कूल में हिंदी क्लब के नेतृत्व में भाषण, पोस्टर रचना आदि प्रतियोगिताएँ आयोजित हैं। प्रतियोगिताओं में भाग लेनेवाले, अपने हिंदी अध्यापक के समक्ष नामांकन दाखिल करें। सबकी उपस्थिति अपेक्षित है।

- **बच्चो, आपने उद्‌घोषणा पढी? उद्‌घोषणा तैयार करते समय हमें किन-किन बातों पर ध्यान देना है?**

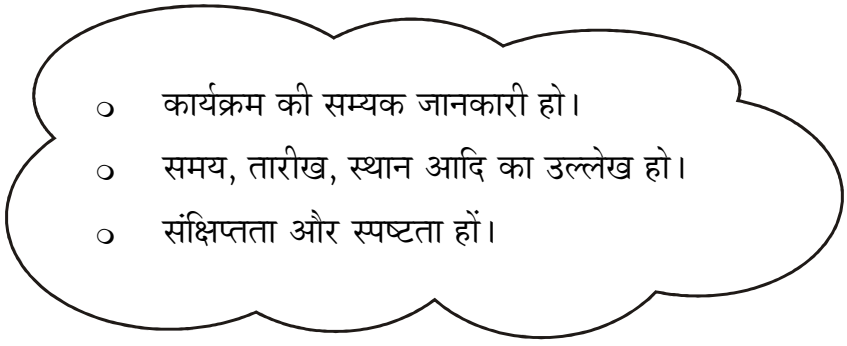

- अब इन प्रश्नों के उत्तर लिखें।

1. नगरपालिका में महापौर का शपथ-समारोह होनेवाला है। इसकी सूचना देते हुए उद्‌घोषणा तैयार करें।
2. मुनिसिपल टाउन हॉल में 'सकुबाई' एकपात्रीय नाटक का मंचन होनेवाला है। इसकी सूचना देते हुए उद्‌घोषणा तैयार करें।
3. मेडिको को डिसेक्शन हॉल में पहुँचने की सूचना देते हुए प्रोफेसर डी.कुमार ने उद्‌घोषणा की। वह उद्‌घोषणा कल्पना करके लिखें।

निबंध

बच्चो, यह निबंध पढ़ें -

पर्यावरण हमारा रक्षा कवच

पर्यावरण का संबंध प्रकृति से है। प्रकृति में देवत्व का आरोप किया जाता था और उसकी पूजा भी की जाती थी। वह हमारी रक्षा करती थी। लेकिन इस वैज्ञानिक युग में हम इस परिकल्पना से दूर चले गये हैं। हमारे अनियंत्रित हसतक्षेप से प्रकृति और पर्यावरण प्रदूषित होकर विनाश की ओर अग्रसर हो रहे हैं। इससे सभी प्राणियों का सर्वनाश भी हो रहा है।

जल, मिट्‌टी, वायु आदि प्राकृतिक संपदा मनुष्य की स्वार्थता के कारण दिन व दिन प्रदूषित हो रही है। इन संपत्तियों के प्रबंधन में वैज्ञानिकता का अभाव इनके विनाश का कारण बन गया है।

धरती ने हमें सब कुछ दिया-स्वच्छ पानी, स्वच्छ वातावरण आदि। लेकिन मानव ने ही उनकी स्वच्छता और सुलभता नष्ट कर दी। हमारे जल-स्रोत आज शुष्क हो गये हैं, मैले हो गये हैं। बडे पैमाने में जंगल काटने से पशु-पक्षियों का आवास भी नष्ट हुआ। प्राकृतिक संतुलन में पशु-पक्षियों की भूमिका महत्वपूर्ण है। मगर मानव स्वार्थ पूर्ति केलिए उन पशु-पक्षियों की निर्मम हत्या कर रहे हैं।

पर्यावरण रूपी रक्षा कवच को बनाए रखकर आगामी पीढी को सुरक्षित रखें। पर्यावरण की रक्षा में ही हमारी सुरक्षा है।

- **संकेतों को विकसित करके निबंध लिखें।**

1.
   - भ्रष्टाचार
   - विविध क्षेत्रों में भ्रष्टाचार
   - भ्रष्टाचार के कारण
   - भ्रष्टाचार मिटाने का उपाय

2.
   - वन
   - प्रकृति का वरदान
   - पशु-पक्षियों का आवास
   - मौसम पर प्रभाव
   - भू-क्षरण
   - वन संरक्षण

भाषा की बात

बच्चो,

हम कई प्रोक्तियों से गुज़रे। अब रही कुछ भाषा की बात। इन प्रश्नों के उत्तर लिखने की कोशिश करें -

1. नीचे दिए खंड से विशेषण और विशेष्य अलग करके लिखिए -

राम बाहर निकला। बाहर सुहानी हवा बह रही है। पेडों में हरे पत्ते हिल रहे हैं। एक सुंदर फूल उसको देखकर मुस्कुराया। छोटी बहिन श्यामा नया कपडा पहनकर बडे भाई का इंतज़ार कर रही थी।

विशेषण	विशेष्य

2. खंड पढ़कर नीचे दिए तालिका भरें।

आज का युग विज्ञान का है। मानव जीवन के हर क्षेत्र में उसका प्रभाव देखा जा सकता है। विज्ञान मनुष्य केलिए वरदान है। पहले मनुष्य आकाश में उड़ने की कल्पना करता था। अब वह हवाई जहाज़ के द्वारा सुदूर देशों में घण्टों में पहुँच सकता है। आज हम घर बैठकर हज़ारों मील दूर रहनेवाले अपने मित्र से टलिफ़ोन पर बात कर सकते हैं। सुदूर स्थानों में होनेवाली घटनाओं को दुरदर्शन के माध्यम से अपने कमरे में बैठकर देख भी सकते हैं।

संज्ञा	सर्वनाम	विशेषण	क्रिया

3. नीचे दिए खंड का संशोधन कीजिए।

गोपाल सबेरे उठा। उसने अपने पत्नी को बुलाया। लेकिन उसका बेटी ने बताया 'माँजी छोटे बहिन को खिला रही है। आपको क्या चाहिए?' गोपाल ने मुस्कुराकर कहा - "तुम्हारे माँ से ज़रा इधर आने को कहो।"

4. नीचे दिए खंड के रेखांकित शब्दो का लिंग बदलकर खंड का पुनर्लेखन कीजिए।

भीड में पुरुष अधिक थे। वे एक लडके को उठाकर नाच रहे थे। किसीसे पूछने पर बताया - "वह बच्चा पुरस्कार मिले सिनेमा का नायक है"

5. उचित योजक का प्रयोग करके वाक्यों को मिलाइए।

- शोभा को बुखार है। वह स्कूल नहीं गयी।
- वह परीक्षा में हार गयी। उसने कुछ नहीं लिखा।
- रहीम दौडकर स्कूल पहुँचा। घंटी बजी थी।
- पिताजी ने कहा। आज स्कूल को छुट्टी है।

लेकिन क्योंकि इसलिए कि और

6. रेखांकित शब्द के बदले कोष्ठक के शब्द का प्रयोग कीजिए।

a) डाक्टर ने रोगी का इलाज किया। (चिकित्सा)

b) छात्रों ने प्रतिज्ञा की। (प्रण)

c) चोर को दंड मिला (सज़ा)

d) चिडिया घोंसले में बैठी है। (पक्षी)

7. वाच्य बदलकर खंड़ का पुनर्लेखन करें।

चोर ने एक माला चुराई। पुलीस ने उसको पकड़ा। अदालत ने उसको दो साल के कारावास की सज़ा दी।

पारिभाषिक शब्द

खंड पढ़कर रेखांकित शब्दों के बदले कोष्ठक के शब्दों का प्रयोग करके पुनर्लेखन करें।

मोहनदास office में पहुँचा। दरवाज़े के ऊपर एक संकेत-पट देखा। उसमें लिखा था Manager। उसने दरवाज़े के पास जाकर पूछा - May I come in Sir। (प्रबंधक, क्या मैं आप की मदद करूँ, क्या मैं अंदर आऊँ, कार्यालय)

उत्तर : मोहनदास कार्यालय में पहुँचा। दरवाज़े के ऊपर एक संकेत-पट देखा। उसमें लिखा था प्रबंधक। उसने दरवाज़े के पास जाकर पूछा - क्या मैं अंदर आऊँ।

1. सही मिलान करें।

Account Number	लिपिक
Sleeper	प्रबंधक
Clerk	खाता संख्या
	शयनयान

2. पारिभाषिक शब्दों का प्रयोग करके खंड का पुनर्लेखन करें।

मैं Reservation केलिए रेलवे स्टेशन गया। वहाँ Information Centre के सामने लिखा था May I help you. मैं ने वहाँ जाकर Enquiry की।

(पूछताछ, सूचना - केंद्र, क्या मैं आपकी मदद करूँ, आरक्षण)

***

Sample Question Paper

Third Language

HINDI

Std : X

(Maximum Score : 40)

Time : 1.30 Hours

सामान्य निर्देशः

- सभी प्रश्नों के उत्तर लिखें।
- पंद्रह मिनट का कूल ऑफ टाइम दिया जाएगा। यह प्रश्न-पत्र का वाचन करने तथा उत्तर लिखने का पूर्व तैयारी केलिए है। इस समय पर कुछ भी न लिखें।
- 5 से 7 और 8 से 11 तक के प्रश्नों मे विकल्प है।

---

1. तालिका की पूर्ति करके लिखें। (2)

पाठ	प्रोक्ति	लेखक
.....	कहानी	उषा प्रियंवदा
नदी और साबून	कविता	.....
गौरा	.....	महादेवीवर्मा
.....	कहानी	यशपाल

2. अंग्रेज़ी शब्दों के स्थान पर उनका समानार्थी हिंदी शब्द रखकर निम्नलिखित खंड का पुनर्लेखन करें। (3)

अवनीश Telecommunications विभाग में Clerk था। बीमार होने के कारण उसे Intensive Care Unit में प्रवेश किया है।

(लिपिक, गहन चिकित्सा कक्ष, दूरभाष, दूरसंचार)

3. निम्नलिखित घटनाओं को क्रमबद्ध करके लिखें। (2)

- बाबूलाल तेली रूमाल से नाक पकड़े-पकड़े अस्पताल पहुँचा।
- बाबूलाल तेली के मुँह से 'अरे-अरे' निकल गया।
- बलिष्ठ व्यक्ति एक अधेड आदमी को निर्दयता से पीट रहा था।
- बलिष्ठ व्यक्ति ने बाबूलाल तेली की नाक पर ज़ोरदार घूँसा जड़ दिया।

4. निम्नलिखित चरित्रगत विशेषताओं से सकुबाई की विशेषताएँ चुनकर लिखें। (2)

- कठिन मोहनत करनेवाली।
- अपने परिवार की चिंता न रखनेवाली।
- मालिकिन की बात माननेवाली।

सूचना : 5 से 7 तक प्रश्नों मे से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखें। (2x2=4)

5. गामा का कथन गुरु-शिष्य संबंध की कैसी विशेषता उजागर करता है?
6. हाथी के मामले में नियम का पालक उसका भंजक बन गया है। यह कथन कहाँ तक सही है?
7. "आजकल खबरें बनाई जाती हैं, बताई नहीं जाती।" इसपर अपना विचार लिखें।

सूचना : 8 से 11 तक के प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखें। (3x4=12)

8. डौली पिल्लों को खोजती ही फिरी। आखिर मेहतर से उसे मालुम हो गया कि वे गरम पानी में डुबोकर मार डाले गए हैं। - इस प्रसंग पर डौली और आया के बीच का वार्तालाप कल्पना करके लिखें।

9. 'स्वच्छ पर्यावरण स्वस्थ समाज केलिए आवश्यक है' - इस संदेश के प्रचार प्रसार केलिए पोस्टर तैयार करें।

10. 'एक तरफ़ पालतू पशुओं पर अपव्यय और दूसरी तरफ़ भूखे बच्चों की मौत।' इस सामाजिक स्थिति पर अपना विचार प्रकट करते हुए लघु लेख लिखें।

11. अवकाश प्राप्ति के बाद गजाधर बाबू अपने ही घर में पराया हो जाता है। घर के अनुभवों का जिक्र करते हुए वे अपने दिली दोस्त के नाम पत्र लिखते हैं। वह पत्र कल्पना करके लिखें।

सूचना : कवितांश पढ़कर नीचे दिये प्रश्नों के उत्तर लिखें।

हरा-भरा हो जीवन अपना
जैसे बाग-बगीचे
प्रेम और करुणा के जल से
सब मिल इसको सींचें।
पत्थर जैसे सख्त नहीं हों
मिट्टी जैसे नम हों
सूरज जैसे रोशन हों हम
नहीं कहीं भी तम हो।

12. जीवन कौसा होना चाहिए? (1)

(पत्थर जैसा, हरा-भरा, अंधकारपूर्ण)

13. कवितांश केलिए उचित शीर्षक लिखें। (1)

14. कवितांश का आशय लिखें। (3)

सूचना : संशोधन करके खंड का पुनर्लेखन करें। (2)

15. लड़की मीठी आवाज़ में गा रहा था।
सब लोग ने ताली बजाकर वह का अभिनंदन किया।
मुख्यातिथि ने उसका प्रशंसा की।

सूचना : रेखांकित शब्दों का लिंग बदलकर वाक्य का पुनलेखन करें। (2)

16. बच्चा अपनी माँ के साथ स्कूल जा रहा था।

सूचना : उचित योजक का प्रयोग करके वाक्यों को मिलाएँ। (1)

(क्योंकि, लेकिन, जब.....तब)

17. सूरज निकला। प्रकाश फैला।

सूचना : खंड पढ़कर नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर लिखें।

प्रत्येक सच्चा कलाकार अपने युग का प्रतिनिधि होता है। वह अपनी कला के माध्यम से समाज का यथार्थ रूप व्यक्त करता है। समाज ही उसकी सच्ची साधना-स्थली होता है। यह भी सत्य है कि समाज को उससे प्रेरणा मिलती है। साहित्यकार समाज का आसाधारण प्राणी है क्योंकि वह सामाजिक गतिविधियों को अनुभव करता हुआ उन्हें अभिव्यक्त भी करता है।

18. साहित्यकार की सच्ची साधना-स्थली क्या है? (1)

(समाज, कविता, कला, प्रेरणा)

19. 'प्रत्येक सच्चा कलाकार अपने युग का प्रतिनिधि होता है।'
- वाक्य में 'कलाकार' शब्द - (1)

(क्रिया है, संज्ञा है, सर्वनाम है, विशेषण है)

20. 'उन्हें' में प्रयुक्त सर्वनाम है - (1)

(वह, यह, ये, वे)

21. "साहित्यकार एक आसाधारण प्राणी है।" क्यों?

***

SAMPLE QUESTION PAPER

SCHEME OF VALUATION - HINDI

TOTAL SCORE : 40

प्रश्न सं.	मूल्यांकन सूचक	स्कोर प्रति सूचक	कूल स्कोर
1	वापसी	½	2
	ज्ञानेंद्रपति	½	
	रेखाचित्र	½	
	आदमी का बच्चा	½	
2	दूरसंचार	1	3
	लिपिक	1	
	गहन चिकित्सा कक्ष	1	
3	बलिष्ट व्यक्ति एक अधेड आदमी को निर्दयता से पीट रहा था।	½	2
	बाबूलाल तेली के मूँह से 'अरे-अरे' निकल गया।	½	
	बलिष्ठ व्यक्ति ने बाबूलाल तेली की नाक पर ज़ोरदार घूँसा जड़ दिया।	½	
	बाबूलाल तेली रूमाल से नाक पकड़े-पकड़े अस्पताल पहुँचा।	½	
4	कठिन मोहनत करनेवाली।	1	2
	मालिकिन की बात मननेवाली।	1	
5	शिष्य बेटे से भी अधिक प्यारा।	1	2
	शिष्य गुरु से भी अधिक ख्याति पाए।	1	
6	अपना मत प्रकट किया है।	1	2
	मत का समर्थन किया है।	1	
7	चैनलवालों के व्यवहार के संबंध में लिखा है।	1	2
	अपना मत प्रकट किया है।	1	
8	प्रसंगानुकूल वार्तालाप तैयार किया है।	2	4
	विषय का पूर्ण समावेश किया है।	1	
	वार्तालाप की शैली है।	1	

9.	विषयानुकूल पोस्टर तैयार किया है। संक्षिप्तता है। रूपसंविधान (layout) आकर्षक है।	2 1 1	4
10	प्रसंग का आशय समझा है। सामाजिक स्थिति का चित्र प्रस्तुत किया है। अपना सुझाव दिया है।	1 2 1	4
11	प्रसंगानुकूल पत्र लिखा है। पत्र की रूपरेखा का पालन किया है। (स्थान, तारीख, संबोधन, कलेवर, स्वनिर्देश, सेवा में) पत्रानुकूल भाषा का प्रयोग किया है।	2 1 1	4
12	हरा भरा	1	1
13	उचित शीर्षक	1	1
14	पंक्तियों का आशय लिखा है। कवितांश की व्याख्या अपने शब्दों में आकर्षक ढंग से प्रस्तुत किया है।	2 1	3
15	लड़की मीठी आवाज़ में गा रही थी। सब लोगों ने ताली बजाकर उसका अभिनंदन किया। मुख्यातिथि ने उसकी प्रशंसा की।	2	2
16	बच्ची अपने बाप के साथ स्कूल जा रही थी।	2	2
17	जब सूरज निकला तब प्रकाश फैला।	1	1
18	समाज	1	1
19	संज्ञा है	1	1
20	वे	1	1
21	खंड से उचित कारण चुनकर लिखा है। (सामाजिक गतिविधियों का अनुभव करता है, उन्हें अभिव्यक्त करता है, साहित्यकार अपने युग का प्रतिनिधि होता है, समाज को उससे प्रेरणा मिलती है।	2	2

***